

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

“ सफर सिर्फ दूरी तय करने का नाम नहीं,
यह नए अनुभवों से मिलने का रास्ता है,
और भारतीय रेल उस रास्ते की पहचान है। ”

“ भारत को समझना हो तो उसकी रेल
देखिए, हर डिब्बे में एक अलग भारत मिलेगा,
फिर भी सब एक ही सफर पर होंगे। ”



वर्ष-36 अंक:18 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 16 सितम्बर - 30 सितम्बर 2026 पृष्ठ 08, मूल्य:20 रु. मात्र. डाक खर्च (रंगीन सहित)

देश के माल परिवहन को मिली नई रफ्तार



पीएम मोदी ने वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के
3 अहम हिस्से किए राष्ट्र को समर्पित

दादरी से जेएनपीए तक जुड़ा नेटवर्क

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को गुजरात के वडोदरा में वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (WDFC) के तीन अहम सेक्शन देश को समर्पित किए। इनमें साणंद (उत्तर)-मकरपुरा, न्यू उमरगाम-न्यू सफाले और न्यू सफाले-जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (JNPA) सेक्शन शामिल हैं। इन तीनों की कुल लंबाई 326 रूट किलोमीटर है और इनके निर्माण पर 20,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। इन सेक्शनों के शुरू होने के साथ WDFC का पूरा नेटवर्क चालू हो गया है और अब उत्तर प्रदेश के दादरी से महाराष्ट्र स्थित JNPA तक मालगाड़ियों की सीधी आवाजाही संभव होगी। दादरी में WDFC का संपर्क ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (EDFC) से होता है। दोनों कॉरिडोर पूरी तरह परिचालन में आने के बाद देश को करीब 2,843 किलोमीटर लंबा समर्पित माल रेल नेटवर्क मिल गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने वडोदरा में 35,000 करोड़

रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण भी किया। उन्होंने डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर को तेजी से आगे बढ़ रहे भारत की आर्थिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण नेटवर्क बताया। WDFC के जरिए औद्योगिक केंद्रों से बंदरगाह तक एक्सपोर्ट-इंपोर्ट कार्गो पहुंचाने में तेजी आने की उम्मीद है। रेलवे के अनुसार, इससे लॉजिस्टिक्स लागत और माल पहुंचाने में लगने वाला समय कम होगा। साथ ही मुंबई के मौजूदा रेल नेटवर्क पर मालगाड़ियों का दबाव घटेगा, जिससे यात्री ट्रेनों के संचालन के लिए अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध हो सकेगी। प्रधानमंत्री ने बताया कि यात्री और मालगाड़ियों के लिए अलग नेटवर्क होने से डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर रोजाना 430 से अधिक मालगाड़ियों के संचालन की क्षमता बनी है। उन्होंने कहा कि जहां ट्रकों से माल पहुंचाने में करीब 30 घंटे लगते थे, वहीं कॉरिडोर के जरिए यह समय 10 से 12 घंटे तक रह गया है। इससे ईंधन की खपत और माल ढुलाई की लागत कम होने के साथ पर्यावरण को भी फायदा होगा। बेहतर माल रेल नेटवर्क से किसानों को भी लाभ मिलने की बात प्रधानमंत्री ने कही। फल, सब्जियां और फूल जैसी जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं को कम समय में बड़े बाजारों और मंडियों तक पहुंचाना आसान हुआ है। प्रधानमंत्री ने जेएनपीटी से वडोदरा तक डबल-स्टैक कंटेनर मालगाड़ी के संचालन का भी उल्लेख किया। उनके अनुसार, एक ऐसी ट्रेन मुंबई से 250 से अधिक ट्रकों के बराबर माल ले जाने में सक्षम है। रेलवे के आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त 2026 तक पहले से परिचालन में आए DFC सेक्शनों पर करीब 5.2 लाख मालगाड़ी ट्रिप संचालित हो चुकी थीं। प्रधानमंत्री ने रेलवे के आधुनिकीकरण का भी उल्लेख करते हुए कहा कि 2014 के बाद देश में करीब 50,000 आधुनिक कोच बनाए गए हैं और रेलवे नेटवर्क में लगभग 2.5 लाख वैगन शामिल किए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत अब रेल कोच, मेट्रो कोच और रेल इंजन निर्माण के क्षेत्र में प्रमुख निर्माता बन चुका है।



माल ढुलाई होगी तेज, कम होगी लागत

- रोजाना 430 से अधिक मालगाड़ियों के संचालन की क्षमता
- ट्रकों से करीब 30 घंटे की जगह गलियारे से 10-12 घंटे में माल पहुंचने का दावा
- ईंधन और परिवहन लागत में कमी

एक मालगाड़ी में 250 से अधिक ट्रकों जितना माल

- जेएनपीए से वडोदरा के बीच डबल-स्टैक कंटेनर मालगाड़ियों का संचालन
- एक ट्रेन में 250 से अधिक ट्रकों के बराबर माल ले जाने की क्षमता

मुंबई के रेल नेटवर्क पर घटेगा मालगाड़ियों का दबाव

- मालगाड़ियों के लिए अलग समर्पित मार्ग
- मौजूदा रेल नेटवर्क पर दबाव कम होगा
- यात्री ट्रेनों के संचालन के लिए अतिरिक्त क्षमता मिलने की उम्मीद

किसानों को भी मिलेगा सीधा फायदा

- फल, सब्जियां और फूलों की तेज आवाजाही
- जल्दी खराब होने वाली कृषि उपज को बड़े बाजारों और मंडियों तक पहुंचाना आसान

अगस्त में भारतीय रेल का विस्तार: माल ढुलाई 5.4% बढ़ी, 14 अमृत भारत सेवाएं हुई नियमित

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- भारतीय रेल ने अगस्त 2026 के दौरान यात्री कनेक्टिविटी और माल ढुलाई, दोनों क्षेत्रों में बढ़ोतरी दर्ज की। अगस्त 2025 की तुलना में इस साल अगस्त में माल ढुलाई 5.4 प्रतिशत बढ़कर 137.9 मिलियन टन पहुंच गई। वहीं, यात्रियों की संख्या में भी वृद्धि हुई। त्योहारों के दौरान बढ़ी मांग को देखते हुए अतिरिक्त विशेष ट्रेनों का संचालन किया गया।

यात्री कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए अगस्त में अमृत भारत की 14 सेवाओं को नियमित किया गया। इसके बाद अमृत भारत सेवाओं की कुल संख्या 86 हो गई। दूसरी ओर, माल ढुलाई की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए पांच नए गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल शुरू किए गए। इनके साथ 31 अगस्त 2026 तक देश में शुरू किए गए गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों की कुल संख्या 149 हो गई।

माल ढुलाई में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि

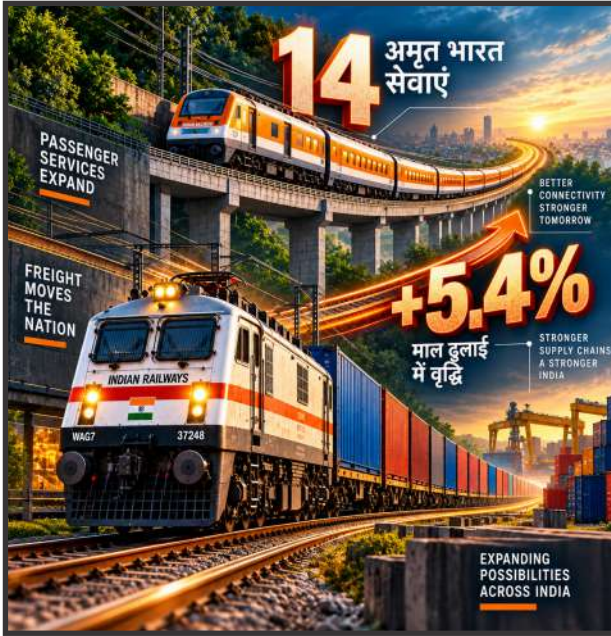
अगस्त 2026 में भारतीय रेल ने 137.9 मिलियन टन माल की ढुलाई की, जबकि अगस्त 2025 में यह आंकड़ा 130.9 मिलियन टन था। इस तरह साल-दर-साल आधार पर माल ढुलाई में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। माल ढुलाई से प्राप्त राजस्व में भी बढ़ोतरी हुई। अगस्त 2025 की तुलना में अगस्त 2026 में माल ढुलाई राजस्व 6.27 प्रतिशत अधिक रहा। अगस्त के दौरान कई प्रमुख वस्तु समूहों की ढुलाई में वृद्धि दर्ज की गई। लौह अयस्क की ढुलाई में 12.1 प्रतिशत, विलंकर में 10.4 प्रतिशत, घरेलू कंटेनर में 9.2 प्रतिशत और कोयले में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। तैयार इस्पात की ढुलाई 4.9 प्रतिशत, खनिज तेल 3.1 प्रतिशत, उर्वरक 1.6 प्रतिशत और अन्य सामानों की ढुलाई 8.2 प्रतिशत बढ़ी।

पांच नए गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल शुरू

माल ढुलाई कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए अगस्त 2026 में पांच नए गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल शुरू किए गए। इसके साथ 31 अगस्त 2026 तक ऐसे टर्मिनलों की कुल संख्या 149 हो गई। गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों के विस्तार से उत्पादन और खपत केंद्रों के करीब माल संचालन की सुविधाएं उपलब्ध हुई हैं। इससे माल की आवाजाही को अधिक सीधे और कुशल तरीके से संचालन में मदद मिल रही है।

अमृत भारत की 14 सेवाएं हुई नियमित

अगस्त 2026 में यात्री कनेक्टिविटी के क्षेत्र में भी विस्तार हुआ। अमृत भारत की 14 सेवाओं को विशेष ट्रेन से नियमित सेवा में बदल दिया गया। इसके साथ अमृत भारत सेवाओं की कुल संख्या 86 हो गई। इन सेवाओं के जरिए उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु



और अन्य प्रमुख क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी उपलब्ध हुई। गोरखपुर से बांद्रा टर्मिनस और दिल्ली के लिए सेवाओं से पूर्वांचल और पूर्वी उत्तर प्रदेश की महानगरीय क्षेत्रों से कनेक्टिविटी बढ़ी।

अहमदाबाद-भागलपुर सेवा गुजरात और बिहार के बीच रेल संपर्क को मजबूत करती है। वहीं धनबाद-कोयंबटूर सेवा पूर्वी और दक्षिणी भारत के बीच लंबी दूरी की कनेक्टिविटी उपलब्ध कराती है।

प्रयागराज और उधना तथा प्रयागराज और मुंबई के बीच सेवाओं से उत्तर प्रदेश से पश्चिमी भारत की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए यात्रा के विकल्प बढ़े हैं।

यात्रियों की संख्या भी बढ़ी

अगस्त 2026 में भारतीय रेल ने 67.27 करोड़ यात्रियों को यात्रा कराई। अगस्त 2025 में यह संख्या 64.43 करोड़ थी।

उपनगरीय यात्रियों की संख्या में भी अच्छी वृद्धि दर्ज हुई। अगस्त 2026 में कुल 38.01 करोड़ उपनगरीय यात्रियों ने रेल यात्रा की, जबकि अगस्त 2025

में यह आंकड़ा 34.89 करोड़ था। इस तरह उपनगरीय यात्रियों की संख्या में 9.02 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

रक्षाबंधन पर विशेष ट्रेनों के 144 फेरे

त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए भारतीय रेल ने रक्षाबंधन विशेष ट्रेनों का अतिरिक्त संचालन किया।

25 से 31 अगस्त 2026 के बीच रक्षाबंधन विशेष ट्रेनों के 144 फेरे संचालित किए गए। इसकी तुलना में 8 से 14 अगस्त 2025 के दौरान 48 फेरे चलाए गए थे।

अतिरिक्त विशेष ट्रेनों के संचालन से त्योहार के दौरान यात्रियों के लिए अतिरिक्त रेल क्षमता उपलब्ध हुई और यात्रा के विकल्प बढ़े।

अगस्त में रेलवे का यात्री और माल ढुलाई नेटवर्क हुआ मजबूत

अगस्त 2026 के दौरान भारतीय रेल ने यात्री कनेक्टिविटी बढ़ाने के साथ माल ढुलाई के बुनियादी ढांचे को भी विस्तार दिया। अमृत भारत की 14 सेवाओं को नियमित किए जाने से लंबी दूरी की यात्रा के विकल्प बढ़े, जबकि पांच नए गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों के शुरू होने से माल ढुलाई सुविधाओं का विस्तार हुआ।

माल ढुलाई में 5.4 प्रतिशत और माल ढुलाई राजस्व में 6.27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ यात्रियों की संख्या में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं, रक्षाबंधन के दौरान अतिरिक्त विशेष ट्रेनों के संचालन से त्योहार के समय बढ़ी यात्री मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध कराई गई।

प्रमुख आंकड़े एक नजर में

- अगस्त 2026 में माल ढुलाई: 137.9 मिलियन टन
- अगस्त 2025 में माल ढुलाई: 130.9 मिलियन टन
- माल ढुलाई में वृद्धि: 5.4 प्रतिशत
- माल ढुलाई राजस्व में वृद्धि: 6.27 प्रतिशत
- अगस्त 2026 में कुल यात्री: 67.27 करोड़
- अगस्त 2025 में कुल यात्री: 64.43 करोड़
- उपनगरीय यात्रियों की वृद्धि: 9.02 प्रतिशत
- अगस्त 2026 में उपनगरीय यात्री: 38.01 करोड़
- अगस्त 2026 में नियमित की गई अमृत भारत सेवाएं: 14
- अमृत भारत सेवाओं की कुल संख्या: 86
- अगस्त 2026 में शुरू किए गए नए गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल: 5
- 31 अगस्त 2026 तक कुल गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल: 149
- रक्षाबंधन विशेष ट्रेनों के फेरे: 144
- अगस्त 2025 में रक्षाबंधन विशेष ट्रेनों के फेरे: 48

बैराबी-सैरंग रेल लाइन ने बदली मिजोरम की तस्वीर, एक साल में यात्री सेवाओं से लेकर माल ढुलाई तक बढ़ा दायरा बाजारों और राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला से मजबूत हुआ जुड़ाव



सूत्र/रे.स.ब्यूरो- बैराबी-सैरंग रेल लाइन ने मिजोरम में रेल कनेक्टिविटी के साथ-साथ यात्री आवागमन, माल परिवहन, पर्यटन और स्थानीय कारोबार के लिए नए अवसर तैयार किए हैं। 13 सितंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 51.38 किलोमीटर लंबी इस रेल लाइन और सैरंग रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया था। एक साल के भीतर यह रेल कॉरिडोर मिजोरम को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी बन गया है।

यह परियोजना कठिन पहाड़ी भूभाग में तैयार की गई है। रेल लाइन पर 153 पुल हैं, जिनमें 55 बड़े, 88 छोटे तथा 10 रोड ओवर ब्रिज और रोड अंडर ब्रिज शामिल हैं। छह पुल 70 मीटर से अधिक ऊंचे हैं और सबसे ऊंचा पुल 114 मीटर का है। इसके अलावा करीब 16 किलोमीटर हिस्से में 45 सुरंगें हैं। बैराबी से आगे यह रेल मार्ग होटोकी, कानपुर, मुआलखांग और सैरंग स्टेशनों के जरिए मिजोरम की राजधानी आइजोल के नजदीक तक रेल संपर्क उपलब्ध कराता है।

सैरंग से गुवाहाटी, कोलकाता और दिल्ली के लिए लंबी दूरी की ट्रेन सेवाएं शुरू होने से मिजोरम के यात्रियों को देश के प्रमुख शहरों तक सीधी रेल सुविधा मिली है। सैरंग-सिलचर यात्री सेवा ने राज्य को असम की बराक घाटी से भी नियमित रेल संपर्क दिया है। पिछले एक साल में इन सेवाओं ने 1,100 से अधिक यात्राएं पूरी की हैं और 15 लाख से ज्यादा यात्रियों ने इनका उपयोग किया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कई सेवाओं में मांग क्षमता से अधिक रही और टिकट बिक्री से रेलवे को करीब 54 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

सैरंग रेलवे स्टेशन पर भी यात्रियों की आवाजाही में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। एक वर्ष के दौरान स्टेशन से 5.54 लाख से अधिक यात्रियों का आवागमन हुआ, जबकि प्रतिदिन औसतन करीब 3,300 यात्रियों की आवाजाही रही।

रेल कनेक्टिविटी का असर माल ढुलाई पर भी दिखाई दिया है। उद्घाटन के अगले दिन 14 सितंबर 2025 को पहली मालगाड़ी सैरंग पहुंची, जिसमें 26,000 से अधिक सीमेंट बैग लाए गए थे। इसके बाद दिसंबर 2025 में गुवाहाटी के पास चांगसारी से 119

मारुति कारों की पहली खेप रेल मार्ग से सैरंग पहुंची। एक साल में सैरंग में 2,500 से अधिक माल वैगन पहुंच चुके हैं। इनमें बड़ी हिस्सेदारी सीमेंट, पत्थर और रेत जैसी निर्माण सामग्री की रही, जबकि चावल, उर्वरक और ऑटोमोबाइल की खेप भी रेल मार्ग से पहुंचाई गई।

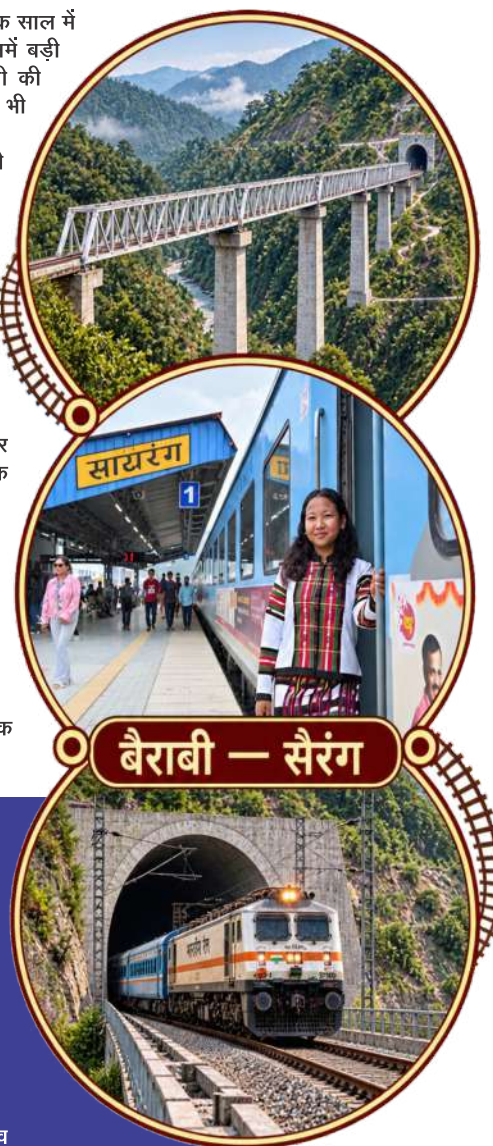
रेलवे सेवा ने मिजोरम के पर्यटन और शिक्षा क्षेत्र को भी बेहतर कनेक्टिविटी दी है। दिल्ली, कोलकाता, गुवाहाटी और सिलचर से सीधी ट्रेन सेवाओं के कारण राज्य तक पहुंचने के लिए यात्रियों के पास हवाई और सड़क मार्ग के अलावा रेल का विकल्प उपलब्ध हुआ है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, रेल सेवा शुरू होने के बाद मिजोरम में पर्यटन में 86 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। पर्यटकों की बढ़ी आवाजाही से होटल, होमस्टे, रेस्तरां, टैक्सी, स्थानीय गाइड और बाजारों से जुड़े कारोबार को भी लाभ मिला है।

रेल संपर्क ने मिजोरम के छात्रों के लिए भी राज्य के बाहर विश्वविद्यालयों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रतियोगी परीक्षाओं और शैक्षणिक आयोजनों तक पहुंच को आसान बनाया है। वहीं, स्थानीय उद्यमियों के लिए रेल परिवहन ने राज्य के उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाने का नया माध्यम उपलब्ध कराया है। 19 सितंबर 2025 को सैरंग से पहली पार्सल खेप के रूप में एंथुरियम के फूल दिल्ली भेजे गए थे।

एक साल के अनुभव से बैराबी-सैरंग रेल लाइन की भूमिका केवल यात्री परिवहन तक सीमित नहीं रही है। इसने मिजोरम के लिए बाजारों, पर्यटन स्थलों, शैक्षणिक केंद्रों और राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला तक पहुंच के नए रास्ते खोले हैं। यात्री सेवाओं, माल ढुलाई और स्थानीय उत्पादों के परिवहन के साथ यह रेल संपर्क राज्य की आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण आधार के रूप में उभर रहा है।

मुख्य बिंदु

- 51.38 किमी लंबी रेल लाइन ने मिजोरम को दी नई रेल कनेक्टिविटी
- 153 पुल और 45 सुरंगों से होकर गुजरती है रेल लाइन
- गुवाहाटी, कोलकाता और दिल्ली के लिए शुरू हुई सीधी ट्रेन सेवाएं
- एक साल में 15 लाख से अधिक यात्रियों ने किया रेल सेवाओं का इस्तेमाल
- सैरंग स्टेशन से 5.54 लाख से ज्यादा यात्रियों की आवाजाही
- 2,500 से अधिक माल वैगन पहुंचे सैरंग
- सीमेंट से लेकर कारों तक, रेल मार्ग से पहुंचा माल
- रेल कनेक्टिविटी से पर्यटन को भी मिला बढ़ावा
- छात्रों और स्थानीय कारोबार के लिए बड़े अवसर
- सैरंग से दिल्ली भेजे गए एंथुरियम के फूल
- मिजोरम के बाजारों और राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला से मजबूत हुआ जुड़ाव



ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना में बड़ी सफलता, एस्केप टनल-1 का ब्रेकथू पूरा



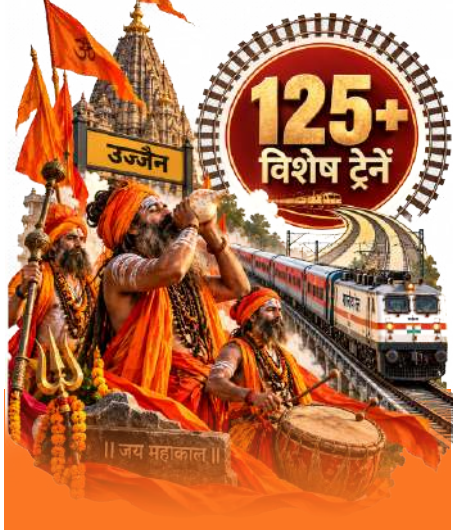
सूत्र/रे.स.ब्यूरो- ऋषिकेश-कर्णप्रयाग नई ब्रॉडगेज रेल लाइन परियोजना के निर्माण कार्य में एक और अहम पड़ाव हासिल किया गया है। रेल विकास निगम लिमिटेड (RVNL) के ऋषिकेश PIU ने 10.847 किलोमीटर लंबी एस्केप टनल-1 की खुदाई का अंतिम चरण पूरा करते हुए इसे आर-पार जोड़ दिया है। इसके साथ ही परियोजना में अब तक 41 टनल ब्रेकथू पूरे हो चुके हैं।

एस्केप टनल-1 परियोजना की दूसरी सबसे लंबी सुरंग है। इसका निर्माण हिमालय की जटिल और चुनौतीपूर्ण भूगर्भीय परिस्थितियों के बीच किया गया। सुरंग का अधिकांश हिस्सा अत्यधिक टेक्टोनाइज्ड, बहु-वलित और फॉल्टेड रॉक मास से होकर गुजरता है। निर्माण के दौरान कई हिस्सों में शिफ्टिंग और क्रशड रॉक जैसी कठिन परिस्थितियों का भी सामना करना पड़ा। मेन बाउंड्री थ्रस्ट (MBT) के निकट होने के कारण यहां माइलोनाइट ज़ोन भी पाए गए।

इन परिस्थितियों के बावजूद सुरंग का अंतिम ब्रेकथू हासिल करना परियोजना से जुड़े इंजीनियरों, तकनीकी विशेषज्ञों, अधिकारियों, ठेकेदारों और श्रमिकों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। चुनौतीपूर्ण भूभाग में निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने में तकनीकी दक्षता और टीमवर्क की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

परियोजना में अभी पांच और टनल ब्रेकथू बाकी हैं, जिन्हें अगले एक वर्ष के भीतर पूरा किए जाने की उम्मीद है। एस्केप टनल-1 का पूरा होना ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना की प्रगति में महत्वपूर्ण उपलब्धि है और हिमालयी क्षेत्र में आधुनिक रेल संपर्क विकसित करने की दिशा में एक और कदम माना जा रहा है।

सिंहस्थ 2028: श्रद्धालुओं के लिए रेलवे का महाप्लान, चलेगी 125 से अधिक विशेष ट्रेनें



सूत्र/रे.स.ब्यूरो- उज्जैन में आयोजित होने वाले आगामी सिंहस्थ के पावन अवसर पर देशभर से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुगम यात्रा के लिए भारतीय रेलवे ने व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने हाल ही में दौरा कर विकास कार्यों और यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। इस भव्य धार्मिक आयोजन के दौरान रेल यातायात को सुचारु बनाने के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा 125 से अधिक विशेष ट्रेनों का संचालन करने की रूपरेखा तैयार की गई है।

रेलवे बोर्ड चेयरमैन सतीश कुमार के अनुसार मुख्य ध्येय यह है कि देश के हर कोने से आने वाले श्रद्धालुओं को उज्जैन पहुंचने में असुविधा न हो। इसके तहत उज्जैन, इंदौर और आसपास के प्रमुख स्टेशनों के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। यात्री दबाव को नियंत्रित करने के लिए नए प्लेटफार्म, बेहतर होल्डिंग एरिया और अतिरिक्त लूप लाइनों का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनों के किराए को सामान्य व किफायती रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के उद्देश्य से रेलवे स्टेशनों पर आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। भीड़ प्रबंधन और निगरानी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युक्त स्मार्ट कैमरों की तैनाती की योजना है, जो स्वचालित रूप से चेहरे की पहचान करने और संदिग्ध गतिविधियों को पकड़ने में सक्षम होंगे। इसके अलावा, इंदौर-मनमाड़ और इंदौर-खंडवा रेल प्रोजेक्ट्स के काम में तेजी लाने तथा कई स्पेशल ट्रेनों को नियमित रूप से चलाने की प्रक्रिया पर भी विचार किया जा रहा है। इन समन्वित प्रयासों से सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुखद और त्वरित यात्रा का अनुभव प्राप्त होगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे अजमेर मंडल के सोजत रोड से पहली बार शुरू हुआ लाइमस्टोन (चूना पत्थर) का लदान

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- उत्तर पश्चिम रेलवे के अजमेर मंडल ने माल लदान के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। रेलवे की बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट (बीडीयू) के निरंतर प्रयासों और ग्राहक-उन्मुख नीतियों के फलस्वरूप, अजमेर मंडल में पहली बार लाइमस्टोन (चूना पत्थर) का व्यावसायिक लदान सफलतापूर्वक शुरू हुआ।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री अमित सुदर्शन के अनुसार, इस नई शुरुआत के तहत मैसर्स श्री नारायण मिनरल्स द्वारा अजमेर मंडल के सोजत रोड रेलवे स्टेशन से दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल स्थित बोकारो स्टील प्लांट के लिए कुल 58 बॉक्सएनएचएल (BOXNHL) वैगनों के लाइमस्टोन रेल का लदान किया जा रहा है। दिनांक 06 सितम्बर 2026 को 58 वैगनों का पहला रेल सफलतापूर्वक लोड कर रवाना किया गया।

अजमेर मंडल के माल यातायात बारकेट में लाइमस्टोन के रूप में एक नई कमोडिटी शामिल हुई है। यह मालगाड़ी 1,502 किलोमीटर की लंबी दूरी तय कर बोकारो स्टील प्लांट तक पहुंचेगी। इस पूरे रेल के माध्यम से लगभग 4,000 टन लाइमस्टोन का लदान होगा, जिससे रेलवे को 1 करोड़ से अधिक का मालभाड़ा राजस्व प्राप्त होगा।

सोजत रोड से शुरू हुआ यह नया लदान न केवल रेलवे के राजस्व में वृद्धि करेगा, बल्कि स्थानीय खनिज उद्योग, रोजगार और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को सशक्त बनाते हुए देश के औद्योगिक एवं बुनियादी ढांचागत विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

राजधानी एक्सप्रेस को मिलेगी कड़ी टक्कर: भारतीय रेलवे का 260 वंदा भारत स्लीपर रेल के साथ सबसे बड़ा मास्टरप्लान तैयार



सूत्र/रे.स.ब्यूरो- भारतीय रेलवे ने देशभर में लंबी दूरी की रात्रिकालीन यात्रा को अधिक आरामदायक और तीव्र बनाने के उद्देश्य से 260 वंदा भारत स्लीपर ट्रेनों के निर्माण की एक विशाल योजना तैयार की है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस स्लीपर रेल को विभिन्न चरणों में पटरी पर उतारा जाएगा।

रेल मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस मेगा प्रोजेक्ट को बहु-चरणीय रणनीति के तहत पूरा किया जा रहा है। शुरुआती दौर में बीईएमएल द्वारा 16 कोच वाली 10 स्लीपर ट्रेनों का उत्पादन किया जा रहा है, जबकि चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री 24 कोच वाली 50 अतिरिक्त ट्रेनों का निर्माण करेगी। इसके अलावा तकनीकी साझेदारों के साथ मिलकर 200 ट्रेनों के निर्माण की जिम्मेदारी सांझी गई है, जिसमें काइनेट रेलवे सॉल्यूशंस 120 रेल और तितगढ़-भेल का संयुक्त उद्यम 80 रेल का उत्पादन करेगा।

मुंबई-कोंकण के बीच नई दैनिक ट्रेन सेवा शुरू, सीएसएमटी से सावंतवाड़ी रोड तक सीधा रेल संपर्क मजबूत



सूत्र/रे.स.ब्यूरो- रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे और अन्य गणमान्य हस्तियों ने 3 सितम्बर 2026 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से सावंतवाड़ी रोड के बीच नई ट्रेन सेवा की पहली यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह सेवा मुंबई और कोंकण क्षेत्र के बीच लगभग 510 किलोमीटर का सीधा रेल संपर्क उपलब्ध कराएगी तथा रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के यात्रियों को सुविधा प्रदान करेगी।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह नई रेल सेवा मुंबई और कोंकण के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करेगी। उन्होंने बताया कि गणेश उत्सव के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए इस वर्ष 350 विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं और आवश्यकता पड़ने पर इनकी संख्या बढ़ाकर 370 करने की व्यवस्था की गई है। केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा कि नई दैनिक सेवा कोंकण के लोगों, छात्रों, कर्मचारियों और परिवारों को मुंबई से बेहतर संपर्क प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर रेल संपर्क से स्थानीय उत्पादों की मुंबई तक पहुंच आसान होने के साथ रोजगार और क्षेत्रीय विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे ने नई सेवा को कोंकण के लोगों, प्रवासी श्रमिकों और गणेश उत्सव के दौरान अपने पैतृक स्थानों की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए बड़ा उपहार बताया। उन्होंने 741 किलोमीटर लंबे कोंकण रेलवे मार्ग के विद्युतीकरण का भी उल्लेख किया। नई ट्रेन सीएसएमटी से रात 11:55 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 2:15 बजे सावंतवाड़ी रोड पहुंचेगी, जबकि वापसी में सावंतवाड़ी रोड से शाम 5:20 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 6:40 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी। यह ट्रेन प्रतिदिन

परियोजनाएं चल रही हैं। 12 डिब्बों वाली ट्रेनों के प्लेटफॉर्म को 15 डिब्बों वाली ट्रेनों के अनुरूप विस्तारित किया जा रहा है और सिग्नलिंग प्रणाली को आधुनिक बनाया जा रहा है। मुंबई के लिए 238 नए एसी लोकल ट्रेन रैक स्वीकृत किए गए हैं, जिनकी पहली डिलीवरी 2027 में शुरू होने की बात कही गई। उन्होंने बताया कि पूर्वी और पश्चिमी समर्पित माल दुलाई गलियारे 100 प्रतिशत पूर्ण हो चुके हैं तथा डकुनी से सूरत तक नए पूर्व-पश्चिम समर्पित माल दुलाई गलियारे पर भी कार्य किया जा रहा है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना के तहत बीकेसी और ठाणे को जोड़ने वाली समुद्र के नीचे रेल सुरंग का निर्माण भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।



बरेका में दिव्यांग कर्मचारियों को स्मार्ट ग्लास के संचालन एवं उपयोग का दिया गया प्रशिक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- बनारस रेल इंजन कारखाना के केंद्रीय चिकित्सालय स्थित सभागार कक्ष में दिनांक 05 सितम्बर 2026 को स्मार्ट ग्लास के प्रभावी एवं समुचित उपयोग हेतु विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता दिवस 2026 के अवसर पर महाप्रबंधक श्री आशुतोष पंत ने पाँच दृष्टिबाधित/दृष्टिबाधिता से प्रभावित कर्मचारियों को स्मार्ट ग्लास का वितरण किया था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्मार्ट ग्लास निर्माता कंपनी ज्वतबीपज के विशेषज्ञ श्री विकी आर. मोदी एवं श्री अनीश प्रजापति द्वारा बरेका के पाँचों दृष्टिबाधित कर्मचारियों को स्मार्ट ग्लास के विभिन्न पहलुओं, विशेषताओं, कार्यप्रणाली एवं उपयोग की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान स्मार्ट ग्लास के संचालन की

प्रक्रिया को सरल एवं व्यावहारिक तरीके से समझाया गया तथा इसके प्रत्येक प्रमुख फीचर का प्रायोगिक प्रदर्शन (Practical Demonstration) भी किया गया, ताकि कर्मचारी इन उपकरणों का अधिकतम लाभ उठाते हुए अपने दैनिक कार्यों को सुगम एवं आत्मनिर्भर तरीके से संपादित कर सकें।

इस अवसर पर प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील कुमार, सहायक कार्मिक अधिकारी (मुख्यालय), श्री राम प्रवेश यादव सहित बड़ी संख्या में कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य दृष्टिबाधित कर्मचारियों को आधुनिक तकनीकी सुविधा से सशक्त बनाते हुए उनकी कार्यक्षमता, आत्मनिर्भरता एवं दैनिक जीवन में सुगमता को बढ़ावा देना रहा।

यूपी में रेल नेटवर्क को मजबूती, नेपालगंज रोड-बहराइच ब्रॉड गेज खंड का शुभारंभ

चार रेलगाड़ियों का विस्तार नेपालगंज रोड तक किया गया, जिससे सीमावर्ती इलाकों में विकास को बढ़ावा मिलेगा



सूत्र/रे.स.ब्यूरो- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, दुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल, बहराइच सांसद डॉ. आनंद कुमार गौड़ और अन्य गणमान्य लोगों की मौजूदगी में नेपालगंज रोड-नानपारा-बहराइच रेल खंड के आमन परिवर्तन और विद्युतीकरण का उद्घाटन किया। करीब 730 करोड़ रुपये की लागत से 56.15 किलोमीटर लंबे मीटर-गेज खंड को ब्रॉड गेज में परिवर्तित कर विद्युतीकृत किया गया है। इस अवसर पर चार मौजूदा रेल सेवाओं का विस्तार नेपालगंज रोड तक किए जाने की भी घोषणा की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत नेपाल में हाल ही में आई बाढ़ के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट के मौन के साथ हुई। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नेपाल की प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि भारत और नेपाल के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंध हैं। उन्होंने बताया कि भारत सरकार प्रभावित लोगों की सहायता के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है और भारतीय रेलवे नेपाल से भारत लाए जा रहे यात्रियों को उनके गंतव्य तक

मंजूरी दी है। इससे क्षेत्र के यात्रियों को गौंडा, गोरखपुर, वाराणसी और अन्य प्रमुख शहरों के लिए सीधी रेल सुविधा मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने इस परियोजना और रेल सेवाओं के विस्तार को क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग की पूर्ति बताया। उनके अनुसार, बेहतर रेल संपर्क से बहराइच, रुपईडीहा और नेपालगंज के बीच आवागमन सुगम होगा और सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों को लाभ मिलेगा। परियोजना से बहराइच के सामाजिक-आर्थिक विकास, व्यापार, रोजगार, पर्यटन और स्थानीय उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंच मिलने की उम्मीद है।

रेल खंड के विद्युतीकरण से इलेक्ट्रिक इंजन वाली ट्रेनों का संचालन संभव होगा, जिससे डीजल पर निर्भरता और कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिलेगी। रेल मंत्री ने उत्तर प्रदेश और विशेषकर पूर्वांचल में रेल नेटवर्क को मजबूत करने के लिए तीसरी और चौथी रेल लाइनों के विस्तार सहित व्यापक योजनाओं का भी उल्लेख किया।

सीएम सम्राट चौधरी से पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग की शिष्टाचार भेंट, जहानाबाद स्टेशन का भी किया निरीक्षण



सूत्र/रे.स.ब्यूरो- श्री सम्राट चौधरी, माननीय मुख्यमंत्री, बिहार से पटना में पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री डिम्पी गर्ग ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान महाप्रबंधक ने बिहार राज्य की महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं, यात्री सुविधाओं और रेल विकास से जुड़ी पूर्व मध्य रेल की विभिन्न योजनाओं की प्रगति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने रेलवे के क्रियाकलाप, यात्री सुविधाओं में और सुधार के उपायों तथा रेल विकास से जुड़े विषयों पर मुख्यमंत्री से मार्गदर्शन भी प्राप्त किया।

अगले दिन महाप्रबंधक श्री डिम्पी गर्ग ने जहानाबाद स्टेशन का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं और संरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और उच्च गुणवत्तायुक्त निर्माण कार्य तथा उन्नत यात्री सुविधाओं की उपलब्धता पर विशेष बल देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री विनोद कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।



रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने दिल्ली मंडल के नियंत्रण कार्यालय का दौरा कर सुरक्षा और रेल संचालन की समीक्षा की



सूत्र/रे.स.ब्यूरो- रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने दिल्ली मंडल के नियंत्रण कार्यालय का दौरा कर सुरक्षा, रेल संचालन, समय की पाबंदी और जन शिकायतों समेत रेलवे संचालन के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। उन्होंने नियंत्रण कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत की तथा दिल्ली के डीआरएम पुष्पेश आर. त्रिपाठी और उनकी टीम के साथ विस्तृत चर्चा की।

दौरे के दौरान सोमन्ना ने इंजीनियरिंग, कोचिंग, माल, वाणिज्यिक, सिग्नल एवं दूरसंचार, ट्रेक्शन और सुरक्षा नियंत्रण सहित विभिन्न विभागों के कामकाज का अवलोकन किया। उन्होंने दिल्ली मंडल के सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन (एससीएडीए) सेंटर और वॉर रूम का भी दौरा किया। चर्चाओं में रेलवे संचालन में प्रौद्योगिकी के अधिक उपयोग, कर्मचारियों की कार्य स्थितियों में सुधार तथा रेल संचालन और बुनियादी ढांचे के भविष्य के विकास पर विचार किया गया।

वी. सोमन्ना ने रेल संचालन, सुरक्षा पर्यवेक्षण और रखरखाव निगरानी में प्रौद्योगिकी को तेजी से अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी आधारित प्रणालियों ने मानवीय त्रुटियों को कम करने और सुरक्षा बढ़ाने में मदद की है। उन्होंने रेलवे कर्मचारियों के अनुशासन, समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि वे चौबीसों घंटे प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हैं।

महाप्रबंधक ने किया कोटा-रुठियाई रेलखंड का निरीक्षण, यात्री सुविधाओं और संरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा



सूत्र/रे.स.ब्यूरो- पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह ने कोटा रुठियाई रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण कर रेलपथ, परिचालन और संरक्षा व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने बारां, छबड़ा गुगोर और मोतीपुरा चौकी रेलवे स्टेशनों का भी दौरा किया। बारां स्टेशन पर प्लेटफॉर्म, पैदल ऊपरी पुल, स्टेशन परिसर, स्टेशन मास्टर कक्ष, टिकट बुकिंग कार्यालय, पार्किंग सहित अन्य यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने रेलवे स्वास्थ्य इकाई में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी भी ली। इस दौरान स्टेशन परिसर में स्वच्छता, यात्री सुविधाओं के बेहतर रखरखाव और कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

छबड़ा गुगोर स्टेशन पर प्लेटफॉर्म, स्टेशन परिसर और टिकट बुकिंग कार्यालय सहित विभिन्न यात्री सुविधाओं का जायजा लिया गया। वहीं मोतीपुरा चौकी स्टेशन पर क्रू लांबी और क्रॉरनिंग रूम का निरीक्षण कर लोको पायलट एवं अन्य परिचालन कर्मचारियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और कार्य व्यवस्था की जानकारी ली। रेलवे में नियमित निरीक्षणों का उद्देश्य परिचालन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के साथ संरक्षा मानकों और यात्री सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा करना है। इस दौरान स्वच्छता, रखरखाव, कर्मचारी सुविधाओं और संरक्षा से जुड़े पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया। महाप्रबंधक ने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार और निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आबूरोड स्टेशन पर खानपान व्यवस्था में सुधार, नए इंसुलेटेड बॉक्स लगाए

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- यात्रियों को ताजा और स्वच्छ खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए आबूरोड रेलवे स्टेशन पर खानपान व्यवस्था में सुधार किया गया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के अजमेर मंडल की पहल पर अधिकृत खानपान वेंडरों की ट्राॅलियों से पुराने आइस बॉक्स हटाकर नए इंसुलेटेड बॉक्स लगाए गए हैं। नए बॉक्स की मदद से सब्जी, दूध और अन्य खाद्य पदार्थों को सुरक्षित तापमान पर रखने में सुविधा होगी। हालिया निरीक्षण के दौरान पुराने बॉक्स की स्थिति सामने आने के बाद उन्हें बदलने के निर्देश दिए गए थे। सभी ट्राॅलियों पर एक समान लाल रंग के नए बॉक्स लगाए जाने से खानपान व्यवस्था अधिक व्यवस्थित हुई है। रेलवे के अनुसार, यात्रियों को बेहतर खानपान सुविधा और स्वच्छता उपलब्ध कराने के लिए यह कदम उठाया गया है।

महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने बीकानेर मंडल के स्टेशनों और दोहरीकरण कार्य का किया निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने 12 सितंबर 2026 को बीकानेर मंडल के दौरे के दौरान श्रीडूंगरगढ़, रतनगढ़ और चूरू रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया। उन्होंने रेल मार्ग के दोहरीकरण कार्य, स्टेशन विकास, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास तथा यात्री सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बीकानेर से विशेष निरीक्षण कार से श्रीडूंगरगढ़ पहुंचे महाप्रबंधक ने ट्रेक, सिग्नल, परिचालन और रेल संरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। स्टेशन पर उन्होंने प्लेटफॉर्म का स्तर ऊंचा करने और उसकी लंबाई बढ़ाने के कार्य की प्रगति की जानकारी ली तथा निर्धारित मानकों के अनुसार कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। रतनगढ़ में उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास कार्यों के साथ सर्कुलेटिंग एरिया, उच्च श्रेणी प्रतीक्षालय और टिकट खिड़की सहित विभिन्न यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान रतनगढ़ विधायक पूसाराम गोदारा ने जन मांगों और यात्री सुविधाओं से संबंधित विषयों पर महाप्रबंधक से चर्चा की।

चूरू स्टेशन पर पंकज शर्मा ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे



पुनर्विकास कार्यों, यात्री सुविधाओं और एकीकृत क्रू लांबी का निरीक्षण किया। उन्होंने रनिंग रूम में कर्मचारियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का भी जायजा लिया। इसके बाद आयोजित संरक्षा संवाद में उन्होंने रेलकर्मियों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने। उन्होंने कहा कि संरक्षित रेल संचालन सभी रेलकर्मियों की सामूहिक जिम्मेदारी है और संरक्षा से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों से निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं का पूर्ण पालन करते हुए सजगता, सतर्कता और समन्वय के साथ कार्य करने तथा संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

रेल मंत्री ने चार गति शक्ति कार्गो टर्मिनल देश को समर्पित किए और लिंच जीसीटी की आधारशिला रखी

नए जीसीटी से कार्गो की तेजी से आवाजाही में मदद मिलेगी, रसद लागत कम होगी और क्षेत्रीय कारोबार राष्ट्रीय बाजारों से जुड़ सकेंगे



सूत्र/रे.स.ब्यूरो- रेल मंत्री श्री अन्तिनी वैष्णव ने गुजरात में पांच गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों (जीसीटी) का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास किया। इन टर्मिनलों के शुरू होने से गुजरात में माल ढुलाई की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ क्षेत्रीय आर्थिक केंद्रों, बंदरगाहों और राष्ट्रीय बाजारों के बीच रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान श्री वैष्णव ने शिवलाखा जीसीटी से मीठापुर के लिए नमक से लदी मालगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह गुजरात, विशेष रूप से कच्छ से देश के विभिन्न हिस्सों तक नमक की रेल आधारित ढुलाई को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पांच जीसीटी में से कच्छ के शिवलाखा और भीमसार, मोरबी के देवलिया तथा बनासकांठा के चंदिसर स्थित जीसीटी को राष्ट्र को समर्पित किया गया, जबकि मेहसाणा के लिंच में जीसीटी की आधारशिला रखी गई। इन टर्मिनलों से रेल के जरिए माल परिवहन की क्षमता बढ़ाने, बंदरगाहों पर भीड़ और परिचालन संबंधी बाधाओं को कम करने तथा गुजरात के बंदरगाहों और उत्तरी अंदरूनी क्षेत्रों के बीच माल ढुलाई संपर्क मजबूत

करने में मदद मिलेगी। स्थानीय आर्थिक केंद्रों को बड़े राष्ट्रीय बाजारों और बंदरगाहों से जोड़ने से क्षेत्र में औद्योगिक, व्यापारिक और व्यावसायिक गतिविधियों को भी समर्थन मिलेगा। नमक परिवहन का उल्लेख करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि पारंपरिक रेलवे वैगनों से नमक की ढुलाई में वैगन के वजन के कारण माल की प्रभावी क्षमता प्रभावित होती थी। इसके अलावा, नमक नमी सोख लेता है, जिससे परिवहन के दौरान माल गीला होने और लोडिंग-अनलोडिंग में कठिनाई जैसी समस्याएं आती थीं। इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए हल्के वजन वाले स्टेनलेस स्टील सॉल्ट कंटेनर तैयार किए गए हैं। इन कंटेनरों में ऊपर से लोडिंग और साइड से अनलोडिंग की सुविधा है। इससे देश के अलग-अलग हिस्सों तक नमक पहुंचाने के साथ-साथ लोडिंग और अनलोडिंग की प्रक्रिया को भी आसान बनाने में मदद मिलेगी। श्री वैष्णव ने बताया कि देशभर में अब 150 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल शुरू हो चुके हैं। इनसे उद्योगों को लाभ मिल रहा है और रेल आधारित माल

ढुलाई कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा रहा है। कच्छ में रेलवे से जुड़े विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि क्षेत्र में करीब 5,600 करोड़ की रेलवे परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इनमें समाखियाली, भचाऊ, गांधीधाम, आदिपुर और भुज से जुड़े महत्वपूर्ण रेल खंडों की क्षमता बढ़ाने और डबलिंग के कार्य शामिल हैं। उन्होंने बताया कि भुज-नलिया गेज कन्वर्जन परियोजना से क्षेत्र का रेल संपर्क मजबूत हुआ है। साथ ही नलिया-जखाऊ पोर्ट के बीच नई ब्रॉड गेज लाइन को भी मंजूरी दी गई है, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी को और मजबूती मिलेगी। कांडला-गांधीधाम औद्योगिक क्षेत्र में रेल अवसंरचना की क्षमता बढ़ाने के लिए भी विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। समाखियाली-भचाऊ सेक्शन को चार-लाइन वाला बनाया जा चुका है, जबकि गांधीधाम-आदिपुर सेक्शन भी चार-लाइन वाला हो चुका है। आदिपुर-भुज के सिंगल-लाइन सेक्शन को डबल लाइन में बदला जा रहा है। भुज-नलिया सेक्शन को हाल ही में मीटर गेज से ब्रॉड गेज में बदला गया है। इसके साथ ही नलिया से जखौ पोर्ट, वायोर, लूना, हाजीपुर और देसलपार तक रेलवे नेटवर्क को भी आगे विकसित किया जा रहा है। रेल मंत्री ने कहा कि कच्छ में रेलवे नेटवर्क के विस्तार से रक्षा क्षेत्र और उद्योगों की जरूरतों को लाभ मिलेगा। इसके साथ ही क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए यात्री और माल परिवहन सुविधाओं में सुधार होगा। समर्पित माल ढुलाई गलियारे से जुड़े ढांचागत विकास का उल्लेख करते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि इससे माल की आवाजाही को तेज और अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। ईस्ट-वेस्ट फ्रेट कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए भी कार्य जारी है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना के संबंध में श्री वैष्णव ने बताया कि वापी-सूरत सेक्शन का निर्माण दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसके बाद परीक्षण और अन्य संबंधित कार्य किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि भारत की अपनी हाई-स्पीड ट्रेन का पहला कोच तैयार हो चुका है और उस पर विभिन्न परीक्षण किए जा रहे हैं। यह ट्रेन आत्मनिर्भर भारत की दिशा में हाई-स्पीड रेल तकनीक के अधिक से अधिक स्वदेशीकरण के उद्देश्य से विकसित की जा रही है।

झाँसी मंडल परिक्षेत्र के सांसदों के साथ बैठक आयोजित, बैठक में जन सरोकारों और रेलवे के विकास कार्यों पर हुई चर्चा



सूत्र/रे.स.ब्यूरो- दिनांक 11 सितम्बर 2026 को झाँसी के प्रतिष्ठित ओरछा पैलेस एवं कन्वेंशन सेंटर होटल ओरछा के सभागार में उत्तर मध्य रेलवे के झाँसी मण्डल के माननीय सांसदों एवं उनके सम्मानित प्रतिनिधियों के साथ महाप्रबंधक की एक उच्च स्तरीय एवं महत्वपूर्ण बैठक का माननीय सांसद झाँसी ललितपुर श्री अनुराग शर्मा की अध्यक्षता में आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य मण्डल की हालिया उपलब्धियों को साझा करना, इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास की समीक्षा करना तथा माननीय जनप्रतिनिधियों से बहुमूल्य सुझाव प्राप्त कर रेल विकास योजनाओं को नई दिशा देना रहा। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री नरेश पाल सिंह ने कहा कि, हमने अपनी रेलवे की कार्यप्रणाली में लाइन क्षमता की वृद्धि, यात्री सुविधाओं में सुधार एवं उन्नयन, गाड़ियों का संरक्षित संचालन, कर्मचारी कल्याण, पर्यावरण की संरक्षण के लिए हरित पहल की दिशा में विशेष कदम उठाए हैं और इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास और इसे मजबूत बनाने

के लिए उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से एक बहुत ही सकारात्मक बदलाव आया है, रेल की विभिन्न परियोजनाएं जो वर्षों तक पर्याप्त फंड की अनुपलब्धता के कारण रुक जाते थे, उन कार्यों को करने हेतु सरकार द्वारा अब पर्याप्त फंड भी उपलब्ध कराया जा रहा है, साथ ही उच्चतम स्तर से प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग होने से प्रोजेक्ट पूर्ण होने में तेजी आई है। साथ ही भारतीय रेल अपनी कार्यप्रणाली में इनोवेशन और आधुनिक तकनीक का कारगर प्रयोग कर रहे हैं। हम अपने सम्मानित यात्रियों, रेल उपयोगकर्ताओं और आमजन की अपेक्षाओं को पूरा कर सकें, इस हेतु एआई आधारित रेल मदद पोर्टल (139) के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि, झाँसी मण्डल, भारतीय रेल के एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में रेल की सेवा में निरंतर तत्पर है। हमारा यह मंडल उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के महत्वपूर्ण हिस्सों को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने का कार्य कर रहा है। मंडल की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए श्री सिंह ने बताया कि, वित्त वर्ष 2025-26 में कुल आरंभिक यात्री संख्या लगभग 4.58 करोड़ रही एवं यात्री आय के रूप में 1016 करोड़ रुपये और माल लदान से लगभग 947.15 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई। जनमानस की मांग को ध्यान में रखते हुए 2025-26 से अब तक 14 जोड़ी गाड़ियों को मंडल के 10 विभिन्न स्टेशनों पर 14 नए ठहराव प्रदान किये गए। इसके अतिरिक्त मेला, समार, त्योहार एवं परीक्षा विशेष सहित कुल 648 विशेष ट्रिप संचालित किए गए तथा 14 जोड़ी विशेष गाड़ियों का संचालन किया गया। वंदे भारत सहित 02 जोड़ी नई गाड़ियों का संचालन प्रारम्भ किया गया। वहीं 04 जोड़ी MEMU ट्रेनों को 8-कार से बढ़ाकर 12-कार किया गया। स्टेशन री-डेवलपमेंट एवं अमृत स्टेशन के विषय में चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि झाँसी मण्डल में कुल 03 प्रमुख रेलवे स्टेशन वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जंक्शन, ग्वालियर जंक्शन एवं खजुराहो को स्टेशन रीडेवलपमेंट प्लान के अंतर्गत विकसित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त झाँसी मण्डल

में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत शामिल 16 स्टेशनों में से 6 स्टेशनों का कार्य पूर्ण कर लिया गया है एवं शेष का कार्य प्रगति पर है, जिसे शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जाएगा। इन्फ्रास्ट्रक्चर की चर्चा करते हुए सूचित किया कि, इसकी वृद्धि के तहत झाँसी मण्डल द्वारा 93 किमी. की रेलवे लाईन बिछाई गयी और 20 ब्लॉक सेक्शनों में 157.67 KM इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग आधारित ऑटोमैटिक सिग्नलिंग प्रणाली सफलतापूर्वक चालू की गई। कुल 68.5 KM में कवच प्रणाली का सफल कमीशनिंग किया गया, जिससे ट्रेन संचालन की सुरक्षा एवं विश्वसनीयता में वृद्धि हुई। इसी क्रम में उन्होंने सभी माननीय सांसदगणों को आश्वस्त किया कि आपसे प्राप्तक बहुमूल्य सुझावों पर गंभीरता से अध्ययन किया जायेगा तथा झाँसी मण्डल के स्तर पर इन सुझावों को रेल विकास योजनाओं एवं यात्री सुविधाओं में शामिल किया जायेगा। यदि कोई सुझाव क्षेत्रीय रेलवे के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है, तो प्रस्ताव को रेलवे बोर्ड एवं अन्य जनों में भेजा जाएगा।



कोलकाता रेलवे स्टेशन पहुंची ईस्टर्न रेलवे की महाप्रबंधक, यात्री सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण



सूत्र/रे.स.ब्यूरो- ईस्टर्न रेलवे की महाप्रबंधक सुश्री गीतिका पांडे ने कोलकाता रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं, सुरक्षा एवं संरक्षा व्यवस्थाओं और स्टेशन के विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उनके साथ सियालदह मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजीव सक्सेना तथा ईस्टर्न रेलवे मुख्यालय और सियालदह मंडल के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं और विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्वच्छता, यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखने के साथ भीड़ और यात्रियों की आवाजाही के प्रभावी प्रबंधन पर जोर दिया।

महाप्रबंधक को कोलकाता स्टेशन के प्रस्तावित यार्ड रीमॉडलिंग के संबंध में पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से जानकारी दी गई। उन्होंने चल रहे और आगामी विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए समय पर कार्य पूरा करने, बेहतर योजना और सभी संबंधित विभागों एवं एजेंसियों के बीच समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। सुश्री पांडे ने कोलकाता स्टेशन स्थित इमिग्रेशन सेंटर का भी दौरा किया, जहां अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने केंद्र के बुनियादी ढांचे, यात्री प्रबंधन सुविधाओं और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों से बातचीत की।

आईआरसीटीसी ने एक दिन में टिकट बुकिंग का बनाया नया रिकॉर्ड

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन ने 7 सितंबर को एक ही दिन में रिकॉर्ड संख्या में टिकट बुक करके नया इतिहास रच दिया है। इस दौरान कुल 20.06.353 टिकटों की बुकिंग दर्ज की गई, जो अब तक का सबसे बड़ा एकदिवसीय आंकड़ा है। आगामी त्योहारों के कारण बड़ी मांग के बीच अगले दिन यानी 8 सितंबर को भी लगभग 19.5 लाख टिकटों का आरक्षण किया गया। इस अभूतपूर्व सफलता का मुख्य कारण नेक्स्ट जनरेशन ई-टिकटिंग प्लेटफॉर्म में किए गए बड़े तकनीकी सुधार हैं। ट्रैफिक के अत्यधिक दबाव को संभालने के लिए डिजिटल सर्वर क्षमता को दोगुना किया गया, जिससे वेबसाइट बिना किसी तकनीकी रुकावट के सुचारू रूप से चलती रही। अवैध सॉफ्टवेयर और फर्जी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया गया। एंटी-बॉट तकनीक के माध्यम से संदेहास्पद ऑटोमेटेड ट्रैफिक को लगभग 65 प्रतिशत तक कम किया गया। इसके अलावा शुरुआती आरक्षण समय में यात्रियों के लिए आधार सत्यापन आवश्यक किया गया तथा एजेंट बुकिंग पर दस मिनट का प्रतिबंध लगाया गया। वेबसाइट के नए डिजाइन से यात्रियों को एक ही स्क्रीन पर सभी श्रेणियों में सीटों की उपलब्धता देखने में आसानी हुई है। आंकड़ों के अनुसार दिन की कुल बुकिंग में से अधिकांश हिस्सेदारी सामान्य समय में दर्ज हुई, जिससे पूरे दिन टिकट वितरण की प्रक्रिया पारदर्शी बनी रही। रेलवे प्रशासन आने वाले व्यस्त दिनों में भी इस व्यवस्था को इसी प्रकार मजबूत बनाए रखेगा।

कर्मचारी कल्याण निधि से 23 दिव्यांग रेलकर्मियों को वितरित की गई स्कूटी



सूत्र/रे.स.ब्यूरो- कर्मचारी कल्याण की दिशा में एक सराहनीय पहल के तहत लखनऊ मंडल के 23 दिव्यांग रेलकर्मियों को कर्मचारी कल्याण निधि से स्कूटी वितरित की गई। गोरखपुर प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में महाप्रबंधक श्री उदय बोरवणकर ने मंडल रेल प्रबंधक श्री गौरव अग्रवाल की उपस्थिति में लाभार्थी कर्मचारियों को स्कूटी प्रदान की। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांग रेलकर्मियों के दैनिक आवागमन को अधिक सुगम और सुविधाजनक बनाना है। कर्मचारी कल्याण से जुड़ी ऐसी पहलें कर्मचारियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। स्कूटी मिलने से संबंधित रेलकर्मियों को अपने कार्यस्थल तक आने-जाने में सुविधा होगी और उनके दैनिक आवागमन में सहूलियत बढ़ेगी।

दमरे महाप्रबंधक ने गाड़ी संचालन की संरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने 7 सितंबर 2026 को सिकंदराबाद के रेल निलयम में गाड़ी संचालन की संरक्षा को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में अपर महाप्रबंधक श्री सत्य प्रकाश, विभिन्न विभागों के प्रधान मुख्य अधिकारी तथा सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। इस दौरान महाप्रबंधक ने कर्षण वितरण, सिगनल एवं टेलीकॉम, पॉइंट्समैन और इंजीनियरिंग जैसे विभागों के फील्ड कर्मचारियों की सुरक्षा पर जोर देते हुए ड्यूटी के दौरान रेडो-रिप्लेक्टिव जैकेट और अन्य सुरक्षा उपकरणों के इस्तेमाल के प्रति जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही, शंटिंग कर्मचारियों को नियमित रूप से सुरक्षा सावधानियों के बारे में जागरूक करने को कहा। उन्होंने गाड़ी सेवाओं में बाधा से बचने के लिए कार्य पूरा होते ही निर्माण सामग्री हटाने तथा रेलवे ट्रैक के आसपास सतर्कता बढ़ाकर संदिग्ध गतिविधियों पर नज़र रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा, ट्रैक, कोच और वैगन के रखरखाव से जुड़े गहन सुरक्षा ऑडिट और कार्रवाई योजना लागू करने पर जोर दिया। महाप्रबंधक ने कहा कि सुरक्षित गाड़ी संचालन से जुड़ी सभी गतिविधियों में रेलवे कर्मचारियों के साथ कॉन्टैक्टर्स और एजेंसियों को भी सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा तथा छोटी से छोटी समस्या की भी तत्काल रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि समय रहते सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके।

हावड़ा स्टेशन पर ‘स्टेशन महोत्सव’ का आयोजन, विरासत और गौरवशाली इतिहास की झलक

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल द्वारा ऐतिहासिक हावड़ा स्टेशन पर ‘स्टेशन महोत्सव’ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्टेशन की समृद्ध विरासत, गौरवशाली इतिहास और दशकों की उल्लेखनीय यात्रा को प्रदर्शित किया गया। समारोह के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नुक्कड़ नाटक और नृत्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा फ्लैग मार्च किया गया तथा हीलियम गुब्बारे छोड़े गए। इस अवसर पर विशेष रूप से तैयार की गई हेरिटेज गैलरी का भी उद्घाटन किया गया। इसमें दुर्लभ तस्वीरें, ऐतिहासिक प्रदर्शों और मॉडल ट्रेनों को प्रदर्शित किया गया है, जो आगतुकों को हावड़ा स्टेशन के गौरवशाली अतीत और बदलते भविष्य की झलक प्रदान करती हैं।

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि.
329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90 पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9793956044
फोन नं. 0532-2418040

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित रखने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।
सहयोग राशि:
१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकमी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र
सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
पंजिकृत कार्यालय
502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिपोर्टर)
कार्यालय 8439 आर्य नगर
पहाड़गंज दिल्ली-55

रेल कनेक्टिविटी को मिलेगा विस्तार, 9 मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं से 1,196 किमी जुड़ेंगे

मुख्य बिंदु

- कुल 9 मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी
- 31 जिलों में होगा रेल नेटवर्क का विस्तार
- पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिले शामिल
- इन राज्यों में परियोजनाओं से लगभग 656 किलोमीटर रेल नेटवर्क बढ़ेगा
- तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के 17 जिले शामिल
- इन राज्यों में परियोजनाओं से लगभग 540 किलोमीटर रेल नेटवर्क बढ़ेगा
- दोनों परियोजना समूहों से भारतीय रेल के मौजूदा नेटवर्क में कुल करीब 1,196 किलोमीटर की वृद्धि होगी

माल दुलाई क्षमता प्राप्त होगी। इन परियोजनाओं से प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल कनेक्टिविटी में सुधार के साथ लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही बेहतर होगी। साथ ही, रेलवे के अनुसार इससे तेल आयात और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में भी कमी आएगी।

वहीं, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों को कवर करने वाली तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 10,783 करोड़ रुपये है और इन्हें

2029-30 तक पूरा करने की योजना है। इनमें खड़गपुर-झारसुगुड़ा (बागदेही) चौथी लाइन, कटनी-पेंझा रोड चौथी लाइन और बिलासपुर (उसलापुर)-पेंझा रोड तीसरी लाइन शामिल हैं। इन तीन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के वर्तमान नेटवर्क में लगभग 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी और करीब 4,790 गांवों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जिनकी आबादी लगभग 56 लाख है। क्षमता वृद्धि से प्रति वर्ष 27 मिलियन टन अतिरिक्त माल दुलाई क्षमता प्राप्त होगी। इन परियोजनाओं से प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल संपर्क में सुधार होगा और कोयला, सीमेंट, लोहा और इस्पात जैसी वस्तुओं के परिवहन की क्षमता बढ़ेगी। रेलवे के अनुसार, इससे तेल आयात में लगभग 12 करोड़ लीटर और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में लगभग 62 करोड़ किलोग्राम की कमी आएगी।

आद्रा-जॉयचंदी पहाड़ रेलखंड में विस्तार, ₹272 करोड़ से बनेगी बाईपास लाइन

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- भारतीय रेलवे ने दक्षिण पूर्व रेलवे के अंतर्गत आद्रा के छोर और जॉयचंदी पहाड़ के बीच 272 करोड़ रुपये की कुल लागत से 11 किलोमीटर लंबी बाईपास लाइन के निर्माण को स्वीकृति दे दी है। यह परियोजना आगामी तीसरी लाइन के लिए समर्पित मार्ग पृथक्करण के साथ दोनों दिशाओं में संपर्क प्रदान करेगी। इससे प्रतिदिन 6,065 मालगाड़ियों की अनुमानित आवाजाही सुगम होगी और औद्योगिक यातायात में अपेक्षित वृद्धि को समर्थन मिलेगा। यह बाईपास लाइन विशेष रूप से एसएआआईएल की 23.40 मीट्रिक टन प्रति वर्ष लोह अयस्क की मांग और बीसीसीएल के लिए प्रतिदिन 45 मालगाड़ियों के अनुमानित माल दुलाई में सहायक होगी।

कॉरिडोर की क्षमता में वृद्धि और भीड़भाड़ को कम करना - आद्रा-जॉयचंदी पहाड़-सांका बाईपास से आद्रा-जॉयचंदी पहाड़ खंड पर वर्तमान परिचालन संबंधी बाधाओं और सड़क यातायात के दौरान होने वाली देरी को दूर करने में मदद मिलेगी। इस क्षेत्र में वर्तमान नेटवर्क का 71 प्रतिशत उपयोग किया जा रहा है और सड़क यातायात संबंधी समस्याओं के कारण माल दुलाई की गति प्रभावित हो रही है। ऐसे में, वैकल्पिक लाइन से परिचालन क्षमता में सुधार होगा और आगे यातायात में भीड़भाड़ को रोका जा सकेगा।

इस परियोजना के पूरा होने पर प्रति वर्ष 8.88 मीट्रिक टन माल दुलाई के लिए यातायात की अतिरिक्त सुविधा मिलने की उम्मीद है। जॉयचंदीपहाड़-आद्रा खंड की वर्तमान लाइन की क्षमता 47.50 प्रतिशत है जिसके 2028-29 तक बढ़कर 56.45 प्रतिशत होने की उम्मीद है।

ऊर्जा, खनिज और सीमेंट कॉरिडोर को सहायता - यह बाईपास लाइन भारतीय रेलवे के लिए निर्धारित ऊर्जा, खनिज और सीमेंट कॉरिडोर का हिस्सा है। यह परियोजना अतिरिक्त क्षमता प्रदान करके और माल दुलाई को सुगम बनाकर औद्योगिक वस्तुओं के परिवहन को सुदृढ़ करेगी और भविष्य में यातायात की वृद्धि को उच्चतर परिवहन क्षमता में परिवर्तित करने में सक्षम बनाएगी।

यह परियोजना आद्रा-जॉयचंदी पहाड़ कॉरिडोर में अतिरिक्त क्षमता सृजित करके, सड़क यातायात से जुड़े विवादों में कमी लाकर और माल दुलाई संबंधी कार्यों की दक्षता में सुधार से माल दुलाई संबंधी अवसंरचना को मजबूत करेगी। यह परियोजना बढ़ते औद्योगिक यातायात को सहायता प्रदान करेगी और इसके साथ ही रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस कॉरिडोर पर माल की अधिक विश्वसनीय और भीड़भाड़ रहित आवाजाही को सक्षम बनाया जा सकेगा।

रेल भवन में सुरक्षा समीक्षा बैठक, सिग्नलिंग से लेकर ट्रैक और कोच रखरखाव पर जोर

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने रेल भवन में विस्तृत सुरक्षा समीक्षा बैठक की, जिसमें रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बोर्ड के सदस्य, जोनल रेलवे के महाप्रबंधक, महानिदेशक और मंडल रेल प्रबंधक उपस्थित रहे। सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के दौरान रेल मंत्री ने सिग्नलिंग से संबंधित तकनीकी कमियों को मिशन मोड में दूर करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही ओवरहेड इक्विपमेंट के उन कंपोनेंट्स, जिनकी निर्धारित सेवा अवधि पूरी हो चुकी है, उनके रखरखाव और आवश्यकतानुसार प्रतिस्थापन की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। सुरक्षा समीक्षा के दौरान रेल मंत्री ने कोचों के रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने फायर सेफ्टी से संबंधित इलेक्ट्रिकल सर्किट और वायरिंग के रखरखाव पर जोर देते हुए वर्कशॉप में मेंटेनेंस के स्तर में सुधार करने को कहा। साथ ही वैगन और कोच के कपलर तथा पहियों के उचित रखरखाव को भी

सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ट्रैक से जुड़ी सुरक्षा के लिए पॉइंट मशीन, टर्नआउट और फास्टनर के उचित रखरखाव पर जोर देते हुए उन स्थानों पर फास्टनर लगाने की व्यवस्था करने को कहा गया, जहां वे मौजूद नहीं हैं। बैठक में सामग्री की गुणवत्ता को लेकर भी स्पष्ट निर्देश दिए गए। सिग्नलिंग एवं दूरसंचार, ओवरहेड इक्विपमेंट, ट्रैक, कोच या वैगन से संबंधित सामग्री की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर संबंधित सप्लायर के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने को कहा गया। जानबूझकर की गई लापरवाही के मामलों में संबंधित सप्लायर को स्थायी रूप से ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश भी दिए गए। वहीं, त्योहारों और मेलों के दौरान अचानक बढ़ने वाली यात्री भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्री ने अधिकारियों को जिला एवं राज्य प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर पहले से तैयारियां करने को कहा, ताकि ऐसे स्थानों पर आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जा सकें।

ब्रिक्स ने पारंपरिक चिकित्सा पर विशेषज्ञ समूह का समर्थन किया, साक्ष्य-आधारित वैश्विक सहयोग का आह्वान किया

नई दिल्ली घोषणापत्र ने स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने एवं सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को बढ़ावा देने में टीसीआईएम की बढ़ती भूमिका को उजागर किया

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अंगीकृत नई दिल्ली घोषणापत्र में पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के साथ स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज में इसके योगदान की बढ़ती प्रासंगिकता को मान्यता दी गई है। घोषणापत्र में ब्रिक्स स्वास्थ्य ट्रैक के तहत पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा पर ब्रिक्स विशेषज्ञ कार्य समूह की प्रस्तावित स्थापना का स्वागत किया गया है, जिसे सदस्य देशों के बीच संवाद, सहयोग और जानकारी के आदान-प्रदान के लिए एक व्यवस्थित मंच के रूप में देखा जा रहा है।

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि घोषणापत्र में पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा को मान्यता मिलना वैश्विक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित विशेषज्ञ कार्य समूह सदस्य देशों को ज्ञान साझा करने, अनुसंधान को मजबूत करने और साक्ष्य-आधारित तरीकों को आगे बढ़ाने के लिए उपयोगी मंच प्रदान करेगा। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने भी इसे ब्रिक्स देशों के बीच पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा के क्षेत्र में व्यवस्थित सहयोग को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

घोषणापत्र में चिकित्सा और रोकथाम के उद्देश्यों के लिए उपयोगी औषधीय पौधों तथा हर्बल तैयारियों पर अनुसंधान में अधिक सहयोग की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि ब्रिक्स सदस्य देशों की साझा पारंपरिक फार्माकोपिया सुरक्षित, प्रभावी और किफायती चिकित्सीय उत्पाद विकसित करने का आधार बन सकती है। इसके साथ ही अनुसंधान, दस्तावेजीकरण, ज्ञान साझा करने और साक्ष्य निर्माण में सहयोग बढ़ाने तथा चिकित्सीय उत्पादों के जिम्मेदार विकास को समर्थन देने पर जोर दिया गया है।

नई दिल्ली घोषणापत्र में सदस्य देशों की राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप साक्ष्य-आधारित तरीकों और उचित नियामक संरचनाओं के माध्यम से पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा पद्धतियों तथा उत्पादों की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के महत्व को भी दोहराया गया है। इससे अनुसंधान पद्धतियों, फार्माकोपियल मानकों, गुणवत्ता आश्वासन, नियामक प्रथाओं और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों तथा उत्पादों के वैज्ञानिक सत्यापन के क्षेत्र में अनुभव और विशेषज्ञता साझा करने का अवसर मिलेगा।

यह घटनाक्रम भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता में 21 जुलाई, 2026 को चंडीगढ़ में आयोजित पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा पर ब्रिक्स बैठक के बाद हुआ है। बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया था तथा अनुसंधान, शिक्षा, ज्ञान के आदान-प्रदान और नियामक संरचना में सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई थी। इसी बैठक में पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा पर प्रस्तावित ब्रिक्स विशेषज्ञ कार्य समूह के लिए कार्य की रूपरेखा पर भी सहमति बनी थी। प्रस्तावित कार्य समूह इस सहयोग को और अधिक संस्थागत बनाने तथा शोध संस्थानों, विशेषज्ञों, नीति-निर्माताओं और शैक्षणिक संस्थानों के बीच स्थायी संवाद को सुगम बनाने का अवसर प्रदान करता है।



घोषणापत्र में औषधीय पौधों और हर्बल तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करने से ब्रिक्स देशों के बीच वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग के अवसर भी बढ़ने की बात कही गई है। समन्वित अनुसंधान से औषधीय संसाधनों के दस्तावेजीकरण, वैज्ञानिक समझ, फार्माकोपियल ज्ञान और गुणवत्ता-प्रमाणित चिकित्सीय उत्पादों के विकास को समर्थन मिल सकता है। इस तरह नई दिल्ली घोषणापत्र पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में ब्रिक्स देशों के बीच अनुसंधान, साक्ष्य निर्माण, क्षमता निर्माण, ज्ञान के आदान-प्रदान और नियामक सहयोग के लिए अधिक व्यवस्थित दृष्टिकोण का आधार तैयार करती है।

आईटीआरए जामनगर और हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट ने आयुर्वेद, समग्र स्वास्थ्य देखभाल और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए पांच साल के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

अनुसंधान, शिक्षा, क्षमता विकास, समग्र स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्थिरता पर ध्यान देने के लिए सहयोग



सूत्र/रे.स.ब्यूरो- आयुष मंत्रालय के अधीन जामनगर स्थित राष्ट्रीय महत्व के संस्थान आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए) ने हैदराबाद के कान्हा शांति वनम स्थित हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट (एचएफआई) के साथ पांच साल के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह समझौता ज्ञापन आयुर्वेद शिक्षा, नैदानिक अभ्यास और अनुसंधान में आईटीआरए और ध्यान, योग, जीवनशैली संबंधी प्रथाओं और पर्यावरण संबंधी पहलों में एचएफआई की पूरक शक्तियों का लाभ उठाने के लिए एक ढांचा प्रदान करता है। इस साझेदारी का उद्देश्य एकीकृत दृष्टिकोण के साथ निवारक और

समग्र स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना है।

कल कान्हा शांति वनम में आयोजित हितधारकों की परामर्श बैठक के दौरान इस सहयोग पर प्रकाश डाला गया। बैठक में आयुष मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव, पद्म भूषण दाजी, नीति आयोग के सदस्य डॉ. श्रीनिवास, आयुष सचिव पद्म श्री वैद्य राजेश कोटेचा और नीति आयोग तथा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर आईटीआरए की निदेशक प्रो. तनुजा नेसारी और हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट के श्री कुमार कन्नन ने अगस्त 2026 में किए। सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुसंधान, छात्र एवं संकाय विनिमय कार्यक्रम, शैक्षणिक कार्यक्रम, ज्ञान साझाकरण, क्षमता विकास, नवाचार और बौद्धिक संपदा विकास शामिल हैं। यह साझेदारी रोग निवारण और समग्र स्वास्थ्य से संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान और शैक्षणिक सहयोग को भी बढ़ावा देगी।

यह सहयोग आयुष मंत्रालय के साक्ष्य-आधारित अनुसंधान, निवारक स्वास्थ्य देखभाल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आयुर्वेद के वैश्विक प्रचार को आगे बढ़ाने के प्रयासों के अनुरूप है। साथ ही यह समग्र स्वास्थ्य और सतत विकास को बढ़ावा देता है।

केंद्रीय मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने सुलभ, जन-केंद्रित और गुणवत्तापूर्ण आयुष सेवाओं पर जोर दिया

सूत्र/रे.स.ब्यूरो- आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से देशभर में सुलभ, जन-केंद्रित और गुणवत्तापूर्ण आयुष सेवाओं की उपलब्धता मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने हैदराबाद के कान्हा शांति वनम में नीति आयोग द्वारा आयोजित 'राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयुष इकोसिस्टम को मजबूत करना' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यशाला में केंद्र सरकार के अधिकारियों के साथ 30 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारियों तथा विभिन्न संगठनों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य)

प्रोफेसर (डॉ.) एम. श्रीनिवास और आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा भी उद्घाटन सत्र में उपस्थित रहे। श्री जाधव ने बदलती स्वास्थ्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आयुष सेवाओं की गुणवत्ता, पहुंच और जन-केंद्रित वितरण पर अधिक ध्यान देने की बात कही। प्रोफेसर (डॉ.) श्रीनिवास ने एकीकृत स्वास्थ्य सेवा के लिए प्रौद्योगिकी-एकीकृत और साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोणों के महत्व को रेखांकित किया, जबकि वैद्य राजेश कोटेचा ने जमीनी स्तर पर आयुष सेवाओं के प्रभावी कार्यान्वयन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की भूमिका पर जोर दिया। कार्यशाला में आयुष स्वास्थ्य सेवा वितरण, शिक्षा, अनुसंधान, क्षमता निर्माण और व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के साथ एकीकरण जैसे क्षेत्रों में अनुभवों, सर्वोत्तम प्रणालियों और नवीन दृष्टिकोणों को साझा किया गया।

संपादकीय

गणेश चतुर्थी: उत्सव से आगे एक संदेश

गणेश चतुर्थी आते ही देश के कई हिस्सों में वातावरण भक्ति, उत्साह और उल्लास से भर जाता है। घरों से लेकर सार्वजनिक पंडालों तक भगवान गणेश की स्थापना होती है और श्रद्धालु पूरे विश्वास के साथ विघ्नहर्ता की आराधना करते हैं। लेकिन यह पर्व केवल धार्मिक आस्था का अवसर नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने वाली एक जीवंत परंपरा भी है। भगवान गणेश को बुद्धि, विवेक और शुभारंभ का प्रतीक माना जाता है। शायद यही वजह है कि गणेश चतुर्थी का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। जीवन में आने वाली चुनौतियों के बीच सही निर्णय लेना, धैर्य बनाए रखना और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना यह पर्व हमें इन मूल्यों की याद दिलाता है।

गणेश उत्सव की खूबसूरती उसकी सामूहिकता में भी है। अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोग एक साथ पूजा और उत्सव में शामिल होते हैं। यही सहभागिता किसी भी त्योहार को केवल एक धार्मिक आयोजन से आगे ले जाकर सामाजिक उत्सव का रूप देती है।

आज उत्सव मनाने के तरीके भी हमारी जिम्मेदारियों से जुड़े हैं। भव्य आयोजन के साथ स्वच्छता, पर्यावरण और सार्वजनिक स्थानों के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखना जरूरी है। श्रद्धा तभी सार्थक है, जब उसके साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी हो।

गणेश चतुर्थी हमें यही याद दिलाती है कि हर नई शुरुआत केवल उत्साह से नहीं, बल्कि विवेक और जिम्मेदारी के साथ होनी चाहिए। विघ्नहर्ता से प्रार्थना है कि देश में शांति, समृद्धि और सद्भाव बना रहे और हर व्यक्ति को आगे बढ़ने की नई ऊर्जा मिले।

गणपति बप्पा मोरया!

रेल की हर अपडेट अब आपके मोबाइल पर

बस स्कैन करें यह कोड



रेल समाचार ब्यूरो की वेबसाइट पर खबरें पढ़ने के लिए अभी स्कैन करें

Philippines President Marcos Seeks India's Expertise in Railway Projects & Space Technology



Source/RSB- Philippines President Marcos is seeking India's technical expertise and cooperation for major railway projects and space technology development in the Philippines. On the sidelines of his participation in the 18th BRICS Summit in New Delhi, President Marcos held separate meetings with RITES and the Indian Space Research Organisation (ISRO). RITES expressed interest in potentially bringing its technical expertise and experience in railway development to the Philippines.



CONCOR Highlights Rail-Based Container Logistics at BRICS Business Council Meeting 2026

Source/RSB- Shri Ajit Kumar Panda, Chairman and Managing Director of CONCOR, addressed the BRICS Business Council – Infrastructure, Transport & Logistics Working Group Meeting on 10 September 2026 at the Yashobhoomi Convention Centre in New Delhi. He highlighted CONCOR's role in advancing rail-based container logistics, multimodal connectivity and efficient supply chains, while emphasising stronger international collaboration in the transport and logistics sector.

RVNL Secures ₹903 Crore Order for Rail Connectivity to 1,320 MW Buxar Thermal Power Project

Source/RSB- Rail Vikas Nigam Limited (RVNL) has received a Letter of Award (LoA) worth ₹903 crore, including GST, from SJVN Thermal Private Limited (STPL), a wholly owned subsidiary of SJVN Limited, for developing railway connectivity to the 1,320 MW Buxar Thermal Power Project in Bihar.



The project, part of Phase-III of the railway infrastructure for the power plant, involves construction of a permanent railway siding and Rail-over-Rail (ROR) connectivity from the plant boundary to Chausa and Pawani Kamarpur in Buxar district. RVNL will execute the project within 36 months. The scope includes roadbed works, minor bridges, Limited Height Subways (LHS), platforms, station buildings, Foot Over Bridges (FOBs) and other allied civil works. The rail link will connect the Buxar Thermal Power Project with the existing East Central Railway network through Chausa and Pawani Kamarpur, with onward connectivity via Buxar and Pt.

Deen Dayal Upadhyaya Junction (DDU) to the wider national railway network. The ROR component will support integration with existing railway infrastructure while allowing railway operations to continue safely and efficiently. The connectivity is expected to facilitate the movement of coal and other bulk materials to the power plant, strengthening the rail-based logistics chain between coal-producing regions and the power-generation facility. Located at Chausa in Buxar district, the project has an installed capacity of 1,320 MW, comprising two 660 MW units. The first 660 MW unit achieved commercial operation on November 14, 2025, while work on the second unit is progressing.

Comprehensive Inspection of Catering Units Conducted at New Delhi Railway Station



Source/RSB- A comprehensive inspection of catering units at New Delhi Railway Station (NDLS) was conducted by Dr. Manoj Singh, Member, Operations & Business Development, Railway Board, along with Shri Praveen Pandey, PCCM, Northern Railway, and senior officials from the Railways and IRCTC. The inspection reaffirmed the commitment towards maintaining hygiene standards and providing passenger-centric catering services at the station. The exercise focused on ensuring that catering facilities meet the required standards and continue to serve passengers effectively.

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आगामी त्योहार के अवसर पर निम्नलिखित रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन किये जाने का निर्णय लिया गया है। यह रेलगाड़ियां अपने पूर्व निर्धारित मार्ग, संरचना, दिन, ठहराव एवं समय पर निम्न समय सारणी के अनुसार चलेगी:

गाड़ी सं.	कहाँ से	कहाँ तक	संचालन का दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	विस्तार की तिथि	
					से	तक
01905	कानपुर सेंट्रल	असारवा	सोम	28.09.26	05.10.26	30.11.26
*01906	असारवा	कानपुर सेंट्रल	मंगल	29.09.26	06.10.26	01.12.26
01907	आगरा छावनी	उधना	मंगल	29.09.26	06.10.26	24.11.26
01908	उधना	आगरा छावनी	बुध	30.09.26	07.10.26	25.11.26
01909	असारवा	आगरा छावनी	मंगल	29.09.26	06.10.26	24.11.26
01910	आगरा छावनी	असारवा	सोम	28.09.26	05.10.26	23.11.26
02199	वी.लक्ष्मीबाई झाँसी	बान्द्रा टर्मिनस	गुरु	24.09.26	01.10.26	26.11.26
02200	बान्द्रा टर्मिनस	वी.लक्ष्मीबाई झाँसी	शनि	26.09.26	03.10.26	28.11.26
04105	प्रयागराज	उधना	गुरु,रवि	27.09.26	01.10.26	29.11.26
04106	उधना	प्रयागराज	शुक्र,सोम	28.09.26	02.10.26	30.11.26
* गाड़ी सं 04179 प्रयागराज-साबरमती के स्थान पर गाड़ी सं. 04111प्रयागराज-गांधीग्राम			शनि, मंगल	29.09.26	03.10.26	28.11.26
* गाड़ी सं.04180 साबरमती-प्रयागराज के स्थान पर गाड़ी सं.04112 गांधीग्राम-प्रयागराज			रवि, बुध	30.09.26	04.10.26	29.11.26
04119	सूबेदार गंज	वलसाड	शनि	26.09.26	03.10.26	28.11.26
04120	वलसाड	सूबेदार गंज	रवि	27.09.26	04.10.26	29.11.26
04139	प्रयागराज	दादर	शुक्र	25.09.26	02.10.26	27.11.26
04140	दादर	प्रयागराज	रवि	27.09.26	04.10.26	29.11.26
04155	सूबेदार गंज	उधना	सोम,गुरु	17.09.26	19.10.26	26.11.26
04156	उधना	सूबेदार गंज	मंगल,शुक्र	18.09.26	20.10.26	27.11.26
04175	सूबेदार गंज	दादर	रवि	27.09.26	04.10.26	22.11.26
04176	दादर	सूबेदार गंज	मंगल	29.09.26	06.10.26	24.11.26
04177	सूबेदार गंज	वलसाड	मंगल	29.09.26	06.10.26	24.11.26
04178	वलसाड	सूबेदार गंज	बुध	30.09.26	07.10.26	25.11.26
04169	सूबेदार गंज	इन्दौर	शुक्र,सोम	28.09.26	02.10.26	27.11.26
04170	इन्दौर	सूबेदार गंज	शनि,मंगल	29.09.26	03.10.26	28.11.26
04173	प्रयागराज	वेरावल	गुरु	24.09.26	01.10.26	26.11.26
04174	वेरावल	प्रयागराज	शुक्र	25.09.26	02.10.26	27.11.26

*परिचालनिक कारणों से गाड़ी संख्या 01906 असारवा-कानपुर सेंट्रल विशेष रेलगाड़ी के समय में संशोधन किया गया है। संशोधित समय-सारणी के अनुसार, यह संशोधन प्रारंभिक स्टेशन से यात्रा प्रारंभ होने की तिथि के अनुसार दिनांक 06.10.2026 से प्रभावी होगा।

स्टेशन	वर्तमान समय		संशोधित समय	
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान
दूण्डला	03:40	03:45	03:50	03:55
फिरोज़ाबाद	04:10	04:12	04:20	04:22
इटावा	05:00	05:02	05:10	05:12
कानपुर सेंट्रल	07:00	-----	07:00	-----

*परिचालनिक कारणों से गाड़ी संख्या 04111/04112 प्रयागराज-गांधीग्राम (सप्ताह में दो दिन) विशेष रेलगाड़ी के गंतव्य स्टेशन को गांधीग्राम से बदलकर साबरमती पर कर दिया गया है, तदनुसार अब गाड़ी संख्या 04179/04180 प्रयागराज-साबरमती (सप्ताह में दो दिन) विशेष रेलगाड़ी के रूप में प्रयागराज से दिनांक 03.10.2026 तथा साबरमती से 04.10.2026 से संचालित होगी।

गाड़ी संख्या - 04179			गाड़ी संख्या - 04180	
प्रयागराज-साबरमती			साबरमती-प्रयागराज	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
-----	16:00	प्रयागराज	-----	-----
समय एवं ठहराव गाड़ी सं.04111 प्रयागराज-गांधीग्राम विशेष एक्स.के समान रहेगा		फतेहपुर	समय एवं ठहराव गाड़ी सं.04112 गांधीग्राम-प्रयागराज विशेष एक्स. के समान रहेगा	
15:40	-----	साबरमती	-----	17:45

नोट: फतेहपुर और महेसाणा के बीच समय एवं ठहराव अपरिवर्तित रहेगा तथा गाड़ी संख्या 04111/04112 प्रयागराज-गांधीग्राम विशेष गाड़ी के समान ही रहेगा।

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।